



Ministry of Culture
Government of India



डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव

Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)

An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा कविसंधि कार्यक्रम का आयोजन पंजाबी कवि देव ने किया कविता-पाठ

नई दिल्ली। 1 फरवरी 2024। साहित्य अकादेमी के प्रतिष्ठित कार्यक्रम 'कविसंधि' के अंतर्गत आज पंजाबी के प्रतिष्ठित कवि एवं प्रख्यात चित्रकार देव के काव्य-पाठ का आयोजन किया गया। स्वीट्जरलैंड से पधारे श्रीमान देव ने लगभग एक दर्जन कविताओं का पाठ किया और अंत में उपस्थित श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के पंजाबी परामर्श मंडल के संयोजक रवेल सिंह ने श्रीमान देव का स्वागत अंगवस्त्रम् प्रदान करके किया और उनका संक्षिप्त परिचय भी श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किया। उनकी कविताओं में प्रमुख थी-बयान, 1947, कारसेवक, परवाज, शायर का घर, मेरा पंजाब, खेल, बचपन आदि।

श्रोताओं के सवालों के उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि मैं अपनी कविताओं में चुप्पी को ज्यादा महत्व देता हूँ। मैं अपनी कविता को पहले आँख से देखता हूँ और अर्थों से मुक्त शब्दों से कविता बनाता हूँ। मैं शब्दकोशों में बंद शब्दों को निकालकर एकबार फिर उन्हें पाठकों के लिए संजोता हूँ। उनकी चित्रकला के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मैं एक रंग का ही पेंटर हूँ यानी मोनो कलर पेंटर। मैं एक ही रंग का बार-बार प्रयोग कर रंग की एक नई सिम्फनी बनाता हूँ। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मैं रवींद्रनाथ टैगोर को भारत का सर्वश्रेष्ठ चित्रकार मानता हूँ और उसके बाद अमृता शेरगिल को। रवेल सिंह ने उनकी कविताओं को पंजाब का गहना बताते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हम एक ऐसे कवि से रूबरू हुए हैं जो शब्द और दृश्य दोनों से ऐसी चुप्पी को चुनता है जो सबसे ज्यादा वाचाल होती है।

कार्यक्रम में वनीता, कुलबीर गोजरा, सौमित्र मोहन सहित कई अन्य पंजाबी और हिंदी के लेखक तथा चित्रकार उपस्थित थे।

- के. श्रीनिवासराव